

172.8 (on ii. 4. 7); AmaK. 2148; MediK. 47. 2; TrikāS'e. iii. 1. 25; iii. 3. 120; cf. अण्वी.

**अणु** (āṇu) *m.* [Upā. 1. 8; Prasā. ii. 609. 14; Liṅgānu. (He.) 11. 6; (Ha.) 62. 8; (Para.) (164)3772; (Va.) 75] **1 A i** a kind of grain, *Panicum miliaceum* **ii** ear of corn **Bi** a particle (practical meaning) **ii** an atom (philosophical meaning) **iii** a measure of length **iv** a unit of time **C** individual soul **Di** one of the names of Śiva **ii** one of the names of Kṛṣṇa **iii** one of the names of Gaṅgā **iv** one of the names of Viṣṇu **v** an epithet of Gaṅgā **E** nescience **2** a duct (vessel in the body) **3** a *mantra* **4** name of a region **5** wind **6** a mountain **7** a pit **8** maxim, saying, aphorism *n.* **i** a quarter *mātrā* **ii** name of a medicinal oil **iii** sense-organ **iv** sea-salt **1 A i** a kind of grain, *Panicum miliaceum* प्रियङ्गुवश्च मेऽणवश्च मे TaiS. IV. vii. 4. 2; VājaS. 18. 12; अणुप्रियङ्गुवः ... तान् ... धृतेनोऽसिञ्चति SatBr. XIV. ix. 3. 22; दश ग्राम्याणि धान्यानि भवन्ति । व्रीहियवाः ... अणुप्रियङ्गुवः BrĀraU. vi. 3. 13; सप्त ग्राम्या ओषधयस्त्रिंशत्तिलमाषव्रीहियवाः प्रियङ्गुवोऽणवो गोधूमाः सप्तमे BaudhSS. iii. 189. 4; चतुर्दशाणवः BaudhS'uS. 1. 4; विभाषा तिलमाषोमाभङ्गाण्ययः P. v. 2. 4; CāndraVyā. iv. 2. 4; ŚākṣāVyā. iii. 3. 28; SiddhaHe. vii. 1. 82; GaṅPā. 251. 2; GaṅRa. 2. 77(119); गोधूमा अणवस्तिलाः ... इत्येता ओषधीनां तु ग्राम्याणां जातयः स्मृताः VāyuP. i. 8. 144; वर्ज्या मर्कटकाः श्राद्धे राजमाषास्तथाणवः MārK. 32. 11; राजमाषानणुश्चैव मसूराश्च विसर्जयेत् VisṇuP. iii. 16. 7; BrĀra-UBh. 795. 7 (on vi. 3. 13); कारयित्वा गृहान् ... संपूर्णान् ... निष्पावादक्यचणककुलत्याणुमसूरकैः ... दद्याद् द्विजातिषु BhaviP. 851B. 30 (iv. 168. 23); अणवः वरयिकाः CaturCin. iii(1). 537. 10; AmaK. 1747; TrikāS'e. iii. 3. 120; Anekā-Saṁ. 2. 131; ŚabdaBhePra. (Ma.) 4. 33; MediK. 47. 2; **1 A ii** ear of corn (जुहोति) एवमणुन् KauśiSū. 14. 19; **1 B i** a particle (practical meaning) अणुन् मेहति यो नरः CaraS. ii. 4. 20; हिरण्ययेनाणुना वै अष्टचक्रैकनेमिना MatsyaP. 125. 38; अवनिर्णोरपि शीर्यते भरेण RāmC. 6. 69; (प्रमेहति) मूर्ताणुन सिकतामेही RugVi. 33. 11; अपरमपि यदीयैर्जन्मनिर्माणशेषैरुभिरिव चकार स्पष्टमानन्दि वेधाः EL. ix. 32. 37; दुग्धाम्बुषेहृदपतत्रणवः सुधायाः RasGaṅ. 672. 4; MediK. 32. 13; मेरोरिवाणुर्धस्येद् ब्रह्माण्डमखिलं जगत् SāmviSi. 83. 7; अभ्युज्जतानामणुरप्युदारं पश्चात्प्रकोपं जनयेदरीणाम् NitiSā. 16. 14; **1 B ii** [Liṅgānu. (He.) 137. 13; (Para.) (164)3772.] an atom (philosophical meaning) अणुनां मनसश्चाद्यं कर्मादृष्टकारितम् VaiśeSū. v. 2. 13; अतीन्द्रियत्वाद्दणाम् Nyāy-Sū. II. i. 3. 7; परमाणुरणुस्तथा AbhidhK. 3. 85; स एष परमाणुस्स्यादष्टाभिसत्तैरणुस्मृतः PauśkS. 4. 5; देवर्षीणां शरीरं धर्मविशेषसहितैर्भ्योऽणुभ्यो जायते PadārthaSaṁ. 28. 1; नित्यद्रव्येष्वणवाकाशकालदिगात्ममनस्सु प्रतिद्रव्यमेकैकशो वतैमाना अत्यन्तव्यावृत्तिवृद्धिहेतवः PadārthaSaṁ. 321. 13; तन्मात्राण्यविशेषाणि महाभूतप्रकृतयो भोग्याण्यणवः शान्तघोरमूढानीति (पर्यायशब्दाः) TattvSa. (2) 121. 10; (एकः ... प्रसुः) कोऽप्यंशेन तु मानेन सुसूक्ष्मेषु स्थितोऽणुषु JayāS. 4. 111; विशान्येव योऽणीयानणुषु स्वयम् AbirbuS. 52. 42; स्पृशंश्चाणुर्नित्यश्चेति NyāySūBh. 61. 4 (on i. 2. 5); वायोरणुनां ज्ञानस्य शब्दत्वापत्तिरिष्यते VākyaP. 1. 108; 1. 111; अर्थान्तराभिसंबन्धाज्जायन्ते येऽणवोऽपरे । उक्तास्ते सञ्चितास्ते हि निमित्तं ज्ञानजन्मनः PramāVār. 3. 195; धर्माधर्माणवस्सर्वे चेतनावदधिष्ठिताः । स्वकार्यरम्भकाः TattvSaṁ. 50; तन्निर्माणे जाता लावण्यमयाः कणा विधेरणवः KuṭṭaMa. 973; अत्यासन्नानसंसृष्टानणुत्वेवाक्षमोचरान् NyāyVi. 2. 101; यैः ... परमाणुभिस्त्वं निर्मापितः ... तावन्त एव खलु तेऽप्यणवः पृथिव्यां यत्ते समानपरं न हि रूपमस्ति BhaktāSt. 12; नित्यानामप्रयोगित्वमणुनामपि दृश्यते Ś'lokaVār. 6. 232 (789. 5); यथा च काणादानामणवः AitUBh. 250. 13 (on 1. 1); न च ... अणुभ्यो वा ... (जगतः) उत्पत्त्यादि संभावयितुं शक्यम् BrahmSūBh. (Saṅ.) 10. 15 (on i. 1. 2); 379. 4 (on ii. 2. 17); अणुरण्वन्तरं काले व्यतिक्रामति यावति । स कालः समयः Gaṅi-SāSaṁ. 0. 32; गुणगुणिसमवायसंधिगामी गमयति वर्त्म दृशोरणुत्तशेषान् (हनुमान्) RāmC. 6. 82; अणुन् प्रत्येकशः सर्वान्स गृह्णीयादयत्नतः BrĀraUBhVā. iii. 2. 108; TaiUBhVā. 72. 2; अनेकेषामणुनां च कथमेकत्र संस्थितिः S'ivDr. 6. 97; नेश्वरेण न धर्मेण न प्रधानेन नाणुभिः । ... तादृशी सुकराकृतिः BrKathāŚ'loSaṁ. 10. 110; सद्वितीयेनाणुना तत्संयोगाद् द्रव्यणुकाधारम्भात् NayaVi. 97. 7 (on i. 1. 5); अणोरल्पतरं प्राहुः ... महादेवम् SaurP. 34. 50; परं ब्रह्म ... अणुभ्योऽप्यणुतरम् GaṅeP. ii. 51. 30; क्रोऽणुर्दूरेऽप्यदूरे च क्रोऽणुरेव महागिरिः YogVā. iii. 79. 9; अणुष्विति परमाणुष्वित्यर्थः Kirāṇā. 186. 9; अतिलवुवाचि पदं किम् ... अणुः VidāluMa. 3. 53; अणुनामतीन्द्रियत्वेन तैः सह अविनाभावस्य ... अशक्यत्वात् SyādvāMañ. 16(181); वृष्टिः स्यादणुभिः षड्भिः RasKaSa. 11. 1; पुद्गलाः । ते च द्विविधा अणवः स्कन्धाश्च । भोक्तुमशक्या अणवः SarvaDaSaṁ. 3. 250; विजातीययोरणवोर्द्रव्यं प्रत्यसमवायिकारणं संयोगो नेष्यते Upask. 211. 11 (on iv. 2. 4); आदादानानि तावन्ति द्विजैर्भ्यो राजसत्तमः ... भानोः करेषु यावन्तोऽणवः समुपबृंहिताः ParamāKā.

174. 27; अणुनां शब्दतन्मात्रादिरूपपरमाणुनाम् VaiyāSiMañ. 186. 1; **1 Bii** a measure of length अणु रजश्च वालश्च ... । अणवोऽष्टौ रजः प्रोक्तम् NātyaSā. 2. 16-17 (comm. यतःप्रभृति दृश्यता प्रवर्तते सोऽणुः); **1 B iv** a unit of time consisting of two Paramāṇu units अणुर्द्वौ परमाणू स्यात् त्रसेरेणुख्यः स्मृतः BhāgP. iii. 11. 5; **1 C** individual soul (with limited powers) अयमपि पुरुषो मण्डलेऽणुर्धृञ्चि SūryaS'. 89; शिवः । पूर्वव्यत्यासितस्याणोः पाशजालमपोहति MrgendraT. i. 2. 1; i. 3. 5; गायति प्रकृतिं बुसुस्सुरणुरेष तावकीम् HarVi. 6. 35; 6. 126; ततोऽपि सकलमलतानत्रतारतम्यातिशयधाराप्राप्तौ शिवत्वव्यक्त्या अणुरपवृज्यते ParaTri. 20. 11; 256. 5; प्राणादिना निरुद्धोऽणुः परमात्मा त्वखण्डितः AjaḍaPraSi. 1. 16; अणोस्तु विषयत्यागः संसारभयतः क्रमात् LiṅgaP. i. 6. 23; परोऽणुर्वा देही जगति विहरामीत्यनघया धिया दृष्टे तत्त्वे रमणमटनं जागतमिदम् YogVā. ii. 12. 22; मायासहितं कञ्चुकपट्टमणोरन्तरङ्गमिदमुक्तम् ParamāSā. 17; कथमयं मलावृतः अणुः ... संसारी अभिधीयते PratyabhiHr. 20. 14(9); ज्वलतीव ततोऽप्यणुः MaliniViT. 17. 39<sup>1/3</sup>; महेश्वरः ... दुःखपङ्काङ्गवान्भोषेस्तारयत्यमलानणुन् ĪśānSiPa. ii. 1. 49(24); **1 Di** one of the names of Śiva (अणुम्) ... प्रतिपद्य शंकर भवन्तम् ... भवत्यणुः स्फुटम् HarVi. 6. 170; (शुक्तिने नमः) अणवे LiṅgaP. i. 21. 29; अणुः ... एवं नाम्नां सहस्रेण तुष्टाव वृषभध्वजम् LiṅgaP. i. 98. 132; SaurP. 41. 116; **1 D ii** one of the names of Kṛṣṇa शब्दब्रह्मेति कर्मेत्यणुरिति भगवन् कालहलालपन्ति त्वामेकं विश्वहेतुम् Nārāy. xii. 98. 5; **1 D iii** one of the names of Gaṅgā सत्यमणुः ... इति वैनायकं नाम्नां सहस्रम् GaṅeP. i. 46. 134; **1 D iv** one of the names of Viṣṇu अणुर्बृहत्कृशः (विष्णोर्नामसहस्रम्) ViṣṇuSaBh. 111. 103; **1 D v** *f.* an epithet of Gaṅgā देवी ... गङ्गा ... अणुश्च परमाणुश्च BrDharmaP. i. 50. 75; **1 E m** nescience तत्राज्ञानमणुः LalitāSaBh. 95. 9 (on 129); SetuBa. 250. 16; 250. 25; **2** a duct (vessel in the body) वर्षे वर्षेऽणुतेलं च कालेषु त्रिषु नाचरेत् CaraS. i. 5. 53 (1922 Ed.) (comm. अणुनां स्रोतसां हितमित्यणुतेलम्); **3** a *mantra* (Tantra) कृत्वा शिवगतानणुन् । हृदा गृह्यासुमार्गेण स्वहृदब्जे निवेशयेत् MrgendraT. ii. 3. 38; विकिरान् विकिरेत् सप्तजसांश्छराणुना ŚāraTi. 4. 15; प्रणवनमसोरन्तरमुवाणुनावाह्य TāntrSa. 1. 77; 3. 7; परम उक्कष्टोऽणुर्मेन्नो वा LalitāSaBh. 164. 6 (on 204); NityoNi. 165. 7; **4** name of a region, GaṅPā. 35. 10 (*baṅchādīgana*) (on P. iv. 2. 133); KāśiVr. on P. iv. 2. 133; **5** wind, NānārthāSaṁ. i. 47. 55; **6** a mountain, AnekāTi. 2. 13; **7** a pit, DharK. 655; **8** maxim, saying, aphorism [pw]; *n.* **i** (sometimes *m.*) a quarter *mātrā* व्यञ्जनमधमात्रा । तदधमणु VājaPrāti. 1. 60; R̥TPrāti. 41; सूर्यरश्मिप्रतीकाशा कणिका यत्र दृश्यते । अणोस्तु तत्प्रमाणं स्यान्मात्रा तु चतुराणवम् LomSi. 8. 7; 8. 8; द्रुतार्धमणुरेवं स्यात्प्रमाणं मुनिंसमत् [Bharatakośa 788]; **ii** name of a medicinal oil दशकृत्वोऽणु तस्मृतम् CaraS. vi. 26. 141; (1941 Ed.); **iii** sense-organ अथेषां पर्यायाः । इन्द्रियाणि करणानि वैकारिकाणि खानि नियतानि पदानि अवधृतानि अणूनि अक्षाणीति TattvSa. (2) 122. 8; **iv** sea-salt, Vaija. 132. 119; NānārthāSaṁ. i. 47. 55.

**अणु** (āṇu) *adv.* **i** in a low tone योऽयमणु दीर्घमस्वरमाश्रावयति SatBr. XI. iv. 2. 9; क्षणं रावांस्ततो मुक्त्वा त्राहि मुञ्चेति वक्त्यणु SkandP. I. ii. 63. 8; **ii** in the smallest degree पश्यतो नाम्नः किञ्चिद् द्वितीयं सृष्टशतेऽणवपि NaiskaSi. 194. 9; नोद्धवोऽणवपि मन्थूनः BhāgP. iii. 4. 31; असंख्याताः शरास्तस्य रोमकूपेषु निर्गताः । स्रवन्तो रुधिरं सर्वे न जानात्यणु वेदनाम् GaṅeP. ii. 58. 38; जये पराजये लज्जा न मेऽत्राणवपि पार्थिवाः DeviBhāP. iii. 20. 30; आसने पूजने दाने यत्र भेदो न चाणवपि DeviBhāP. iii. 10. 40.

**अणु** (a-ṇu) (Gr.) which does not cause *guna* (ṇu) हनगमजनखनवसा-मुङ्गलोपोऽडेऽच्यणौ MugdhaBo. 3. 153 (35. 24); हसुङ्गो लोपोऽणौ MugdhaBo. 8. 40 (85. 5); 9. 12 (104. 21); 10. 2 (111. 12); 14. 1 (119. 2); 19. 12 (128. 2)

**अणुक** (āṇu-ka) *adj.* [*f.* -ā only in SuśruS.] [(*sthūlādīgana*) P. v. 4. 3; GaṅPā. 251. 2] **1** minute (in size), atomic, subtle, fine, very small पामाणुकाभिः पिडकाभिरुद्धा SuśruS. ii. 5. 14; स्थूल इत्येवमादिभ्यः प्रकारोक्ता गम्यमानायां क्रो भवति ... अणुकः JaineVyā. 268. 26 (on iv. 2. 11); प्रकारो विशेषः स्थूलप्रकारः स्थूलकः । अणुकः KāśiVr. on P. v. 4. 3; लोकाकाशसमस्तदेशनिचितोऽप्येकैक एवाणुकः (कालः) KalyāKā. 4. 3; द्रव्यमेवैतदधवा ब्रह्म तत्रैव संभवात् । आकाशे परमाणवन्तर्द्रव्यादेरणुकेऽपि च YogVā. iii. 44. 34; DharK. 40 (स्वरप); SiddhāKau. 319B. 15; **2** [(*yāvādīgana*) P. v. 4. 29; GaṅPā. 186. 11; GaṅRa. 3. 188 (231)] clever, expert, subtle अणुकः सूक्ष्मदृक् निपुणः PadMañ. on KāśiVr. on P. v. 4. 29; अणुको निपुण इत्यर्थः Nyās. ii. 151. 24 (on v. 4. 29); अणुको निपुणेऽप्ये च AnekāSaṁ. 3. 1; पुत्रको न्वणुकः स्रष्टुरभिकार्यं प्रचक्रमे DvyāśraKā. 19. 72; MediK. 4. 41; DharK. 40; Prasā. i. 944. 5; ViśvaLoK. 6. 30; KośaKaTa. 2. 3387; ŚabdaRaSaK. 7. 1; **3** of high quality, fine अणुकः पटः Nyās. ii. 143. 22 (on v. 4. 3); अणुः प्रकारोऽस्य